प्रेरणा

सोच का ही फर्क होता है, वरना समस्याएं आपको कमजोर नहीं बल्कि मजबूत बनाने आती हैं...

सच कहने की ताकत

साप्ताहिक समाचार पत्र

जालंधर ब्रीज

जल है तो कल है

www.jalandharbreeze.com • JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-4 • 24 MARCH TO 30 March 2023 • VOLUME 35 • PAGE-4 • RATE-3.00/- • RNI NO.: PUNHIN/2019/77863

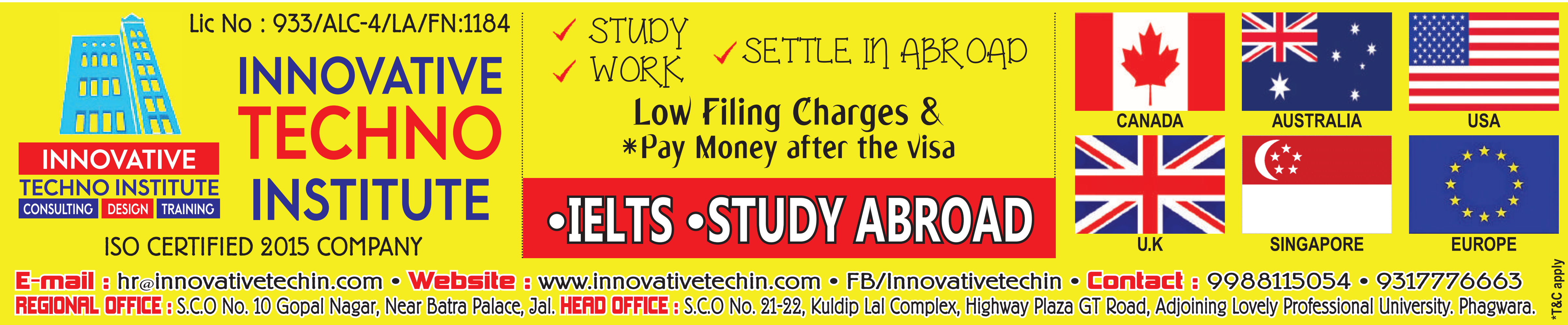

अमृतपाल मामले में मुख्यमंत्री का सख्त निर्देश किसी भी बेकसूर को तंग न किया जाए

अमृतपाल, उसके साथी पपलप्रीत को पनाह देने के दोष में हरियाणा आधारित महिला गिरफ़्तार

• जालंधर ब्रीज.चंडीगढ़

मुख्यमंत्री भगवंत मान की तरफ से राज्य में अमन-कानून को बिगाड़ने की कोशिश करने वालों के ख़िलाफ़ चल रहे अभ्यान के दौरान किसी भी बेकसूर व्यक्ति को तंग-परेशान न करने की स्पष्ट हिदायतों के मद्देनज़र पंजाब पुलिस की तरफ से गिरफ़्तार किये गए 177 व्यक्तियों को रिहा किया जा सकता है, जिनकी थोड़ी बहुत भी भूमिका थी या धार्मिक भावनाओं में बह कर अमृतपाल सिंह की तरफ खिंचे गए थे।

इंस्पेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (आईजीपी) हैडक्वाटर सुखचैन सिंह गिल ने गुरूवार को यहाँ एक प्रैस कान्फ्रेंस को संबोधन करते हुये बताया कि राज्य में अमन-शान्ति को भंग करने के दोष अधीन कुल 207 व्यक्तियों को गिरफ़्तार किया गया है, जिनमें से 30 कथित आपराधिक गतिविधियों में दोषी पाये गए हैं जबकि, बाकी बचे सुरक्षा एहतियात के तौर पर गिरफ़्तारी अधीन हैं। उन्होंने यह भी भरोसा दिलाया कि अमृत छकने और नशा छुड़ाने में शामिल लोगों को बिल्कुल भी परेशान नहीं किया जायेगा। उन्होंने कहा, ''पुलिस टीमें गिरफ़्तार किये गए सभी व्यक्तियों की बारीकी से जांच कर रही हैं और जल्दी ही उनको पुलिस हिरासत में से रिहा कर दिया जायेगा।''

आईजीपी ने कहा कि यह ऑपरेशन मुख्यमंत्री भगवंत मान के निर्देशों पर पंजाब के बेकसूर नौजवानों को देश विरोधी ताकतों के हाथों में खेलने से बचाने के उद्देश्य के साथ चलाया गया था।'' पंजाब पुलिस को मुख्यमंत्री की स्पष्ट हिदायतें हैं कि चल रहे ऑपरेशन के दौरान किसी भी बेकसूर व्यक्ति को तंग न किया जाये। पुलिस टीमों ने अमृतपाल सिंह के पारिवारिक सदस्यों को भी कोई असुविधा पेश नहीं आने दी।

आईजीपी सुखचैन सिंह गिल ने बताया कि पंजाब पुलिस ने हरियाणा पुलिस के साथ सांझे आपरेशन के दौरान बलजीत कौर नाम की एक महिला को 19 मार्च को हरियाणा के कुरूक्षेत्र में अमृतपाल सिंह और उसके सहयोगी पप्पलप्रीत सिंह को उसके घर में पनाह देने के दोष में गिरफ़्तार किया है। उक्त महिला ने खुलासा किया कि पप्पलप्रीत पिछले ढाई सालों से उसके संपर्क में था।

खन्ना पुलिस ने अमृतपाल के करीबी साथी गोरख बाबा को गिरफ़्तार किया

आईजीपी सुखचैन सिंह गिल ने बताया कि चल रहे आपरेशन के दौरान खन्ना पुलिस ने अमृतपाल का एक और नज़दीकी साथी तजिन्दर सिंह गिल उर्फ गोरखा बाबा (42) निवासी गाँव मांगेवाल भी काबू किया है। पुलिस टीमों ने उसके पास से आनन्दपुर खालसा फ़ौज (एकेऐफ) के होलोग्राम और हथियारों की ट्रेनिंग की वीडीओज़ समेत कुछ आपराधिक सामग्री भी बरामद की है। इस सम्बन्धी थाना मलौद खन्ना में भारतीय दंड संहिता की धारा 188 और 336 और हथियार एक्ट की धारा 27 के अंतर्गत एफआईआर नंबर 23 तारीख़ 22. 03. 2023 दर्ज की गई है।

पंजाब आधारित परीक्षाओं के फार्म भरने की आखिरी तारीख़ बढ़ाने का फ़ैसला

राज्य में इन्टरनेट बंद होने के मद्देनज़र मुख्यमंत्री भगवंत मान ने पंजाब में होने वाली परीक्षाओं के फार्म अप्लाई करने की आखिरी तारीख़ बढ़ाने का फ़ैसला किया है।

उपराष्ट्रपति ने शहीद दिवस पर सरदार भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को श्रद्धांजलि अर्पित की

नई दिल्ली. माननीय उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने आज राज्यसभा में अपने संबोधन के दौरान शहीद दिवस के अवसर पर सरदार भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्हें 'हमारे स्वतंत्रता संगाम के महान नायक' बताते हुए धनखड़ ने कहा कि उनकी शहादत भारत के स्वतंत्रता संग्राम में एक मील का पत्थर थी। उन्होंने कहा कि राष्ट्र के लिए उनके सर्वोच्च बलिदान ने नागरिकों को स्वतंत्र भारत में अपने लोकतांत्रिक मूल्यों को संजोने का मार्ग प्रशस्त करने में मदद की। धनखड़ ने सभी देशवासियों से उन मूल्यों को बनाए रखने का आह्वान किया जिनके लिए इन शहीदों ने अपने प्राण न्यौछावर किए। उन्होंने राज्यसभा के सदस्यों से भी अनुरोध किया कि वे अपनी जगह पर खड़े हों और इन बहादुर शहीदों के सम्मान में मौन धारण करें।

अपने वक्तव्य में उपराष्ट्रपति ने कहा; 'माननीय सदस्यों, आज भारत के तीन महान सपूतों, सरदार भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव की शहादत की 92वीं वर्षगांठ है। वर्ष 1931 में आज ही के दिन आजादी के इन नायकों ने भारत की आजादी के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिये थे। युवावस्था में उनका यह सर्वोच्च बलिदान हमारी आजादी की लड़ाई में एक ऐतिहासिक घटना थी।

उन्होंने शहादत का रास्ता इसलिए चुना ताकि प्रत्येक भारतीय स्वतंत्रता, स्वाभिमान और लोकतान्त्रिक मूल्यों के साथ जीवन जी सके। उनकी शहादत सब के लिए हमेशा प्रेरणास्त्रोत बनी रहेगी। उन्होंने राष्ट्रवाद और स्वतंत्रता के लिए सर्वोच्च मिसाल प्रस्तुत की। आइए, आज हम सब मिलकर उन मूल्यों को संजोने का संकल्प लें जिनके लिए उन्होंने बलिदान दिया। आइए मिलकर राष्ट्र को सर्वप्रथम रखने की प्रतिज्ञा करें।'

राहुल गांधी की बढ़ी मुश्किलें, सूरत कोर्ट ने सुनाई दो साल की सज़ा

नई दिल्ली. कांग्रेस नेता राहुल गांधी की मुश्किलें बढ़ती हुई नजर आ रही हैं। कर्नाटक में दिए एक विवादित बयान को लेकर सूरत की एक अदालत ने राहुल गांधी को दो साल की सजा सुनाई है। दरअसल, साल 2019 में राहुल ने एक कार्यक्रम में कहा था कि 'सभी चोरों का सरनेम मोदी ही क्यों होता है?' राहुल के इस बयान को लेकर भारतीय जनता पार्टी के नेता पूर्णेश मोदी ने उनके खिलाफ मानहानि का केस किया था। गुरुवार को सूरत की एक अदालत ने इस मामले में राहुल को दोषी करार दिया है। कोर्ट ने राहुल को दो साल की सजा सुनाई है और उन पर 15 हजार रुपए का जुर्माना लगाया है। राहुल को यह सजा जज एचएच वर्मा ने सुनाई है। ऐसे में लोगों को यह जानने में दिलचस्पी है कि आखिर कौन हैं जज एचएच वर्मा जिन्होंने राहुल को जेल की सजा सुनाई।

गुरुवार को राहुल गांधी को सूरत के जिला एवं सत्र न्यायालय में पेश किया गया। राहुल को सीजेएम एचएच वर्मा की कोर्ट में पेश किया गया। एचएच वर्मा का पूरा नाम हरीश हसमुख भाई वर्मा है। उनकी उम्र 43 साल है। आईपीसी की धारा 500 के तहत जज एचएच वर्मा ने राहुल गांधी को दो साल की सजा सुनाई। इस हाई प्रोफाइल केस की सुनवाई करने वाले एचएच वर्मा का जन्म गुजरात के वडोदरा में हुआ था। एचएच वर्मा ने अपनी एलएलबी की पढ़ाई वडोदरा के ही महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय से की है। पढ़ाई करने के बाद एचएच वर्मा ज्यूडिशियल ऑफिसर बन गए थे। एचएच वर्मा के पिता एडवोकेट हैं। पिता की वजह से ही उनका रुझान ज्यूडिशियल सेवा की ओर बढ़ा। गुजरात में एचएच वर्मा की छवि एक सख्त जज के रूप में है। अपनी कोर्ट को एचएच वर्मा रूल बुक के हिसाब से ही चलाते हैं, वो समय के एकदम पाबंद हैं।

नशे में धुत दो आदमियों ने इंडिगो फ्लाइट में किया हंगामा, मुंबई पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

नई दिल्ली. दुबई-मुंबई इंडिगो उड़ान में सवार दो यात्रियों को शराब पीने, सह-यात्रियों और चालक दल के साथ दुर्व्यवहार करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। बाद में उन्हें जमानत मिल गई। पुलिस ने बताया कि दोनों यात्री खाड़ी से लौट रहे थे और ड्यूटी फ्री दुकान से लाई शराब पीकर जश्न मनाने लगे। जब सह-यात्रियों ने हंगामे पर आपत्ति जताई, तो एक आरोपी शराब की बोतल लेकर गलियारे में जाने लगा। पुलिस ने कहा कि चालक दल को बोतलें छीननी पड़ीं, उन्होंने कहा कि मुंबई में उड़ान भरने के बाद दोनों यात्रियों को गिरफ्तार कर लिया गया। दत्तात्रेय बापरडेकर और जॉन जॉर्ज डिसूजा के रूप में पहचाने गए आरोपियों पर आईपीसी की धारा 336 (दूसरों के जीवन और सुरक्षा को खतरे में डालने के लिए) और विमान नियमों के 21,22 और 25 के तहत मामला दर्ज किया गया था। इंडिगो ने कहा, "दुबई से मुंबई जाने वाली फ्लाइट 6E 1088 में दो यात्रियों को नशे की हालत में पाया गया और उन्होंने चालक दल की कई चेतावनियों के बावजूद शराब का सेवन जारी रखा। उन्होंने चालक दल और सह-यात्रियों के साथ मौखिक रूप से दुर्व्यवहार किया।

पीएम मोदी की तबीयत ठीक नहीं, गुस्से में रहते हैं, उन्हें नींद भी ठीक से नहीं आती : केजरीवाल

नई दिल्ली. शहीद-ए-आजम भगत सिंह की शहीदी दिवस पर दिल्ली के जंतर-मंतर पर वीरवार को आम आदमी पार्टी की रैली हुई। रैली में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पंजाब के सीएम भगवंत मान सहित आप सरकार के दिल्ली और पंजाब के कई मंत्री शामिल हुए। लोगों को संबोधित करते हुए सीएम केजरीवाल ने दिल्ली में पोस्टर लगाने को लेकर हुई एफआईआर पर कहा कि गुलाम भारत में तो अंग्रेज भी पोस्टर चिपकाने के जुर्म में एफआईआर नहीं करते थे, लेकिन 'मोदी हटाओ, देश बचाओ' पोस्टर चिपकाने के आरोप में 24 घंटे के भीतर मोदी सरकार ने हमारे खिलाफ एफआईआर दर्ज करवा दिए। छह लोगों को गिरफ्तार कर लिया। वे छह लोग गरीब आदमी हैं। आखिर प्रधानमंत्री को किस बात का डर है।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि पोस्टर लगाना जनता का अधिकार है। उन्होंने दावा किया कि बीजेपी के लोगों ने मेरे खिलाफ पोस्टर लगाए लेकिन मैंने पुलिस से अपील की है कि किसी के खिलाफ एफआईआर दर्ज न करें और किसी की गिरफ्तार न करें। हम काम की राजनीति करते हैं, नफरत की राजनीति नहीं। सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री सुबह से शाम तक गुस्से में रहते हैं, क्या उनकी तबीयत ठीक है।

वहीं, लोगों को संबोधित करते हुए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि भगत सिंह चंद्रशेखर और राजगुरु ने जिस भारत का सपना देखा उनके सपनों को हमारे नेताओं ने चकनाचूर कर दिया। इन क्रांतिकारियों के विपरीत यह लोग काम कर रहे हैं। मान ने केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आधी रात को जीएसटी और नोटबंदी लागू किए थे। आधी रात को फाइल साइन कर देते हैं। प्रधानमंत्री को फाइल साइन करने से पहले अच्छे तरह से पढ़ना चाहिए।

पिछले कई सालों से बंद पड़े शहीद भगत सिंह यूथ अवार्ड की हुई शुरुआत

मुख्यमंत्री ने 6 नौजवानों को शहीद भगत सिंह यूथ अवार्ड के साथ किया सम्मानित

समाज के प्रति नौजवानों के निःस्वार्थ सेवा वाले जज़्बे के लिए अवार्ड को एक पहचान बताया

• जालंधर ब्रीज.हुसैनीवाला

नौजवानों को समाज की निःस्वार्थ सेवा के लिए उत्साहित करने के उद्देश्य के साथ एक मिसाली पहलकदमी करते हुये पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने गुरूवार को छह नौजवानों को शहीद भगत सिंह यूथ अवॉर्ड प्रदान किये। मुख्यमंत्री ने नवजोत कौर (बरनाला), मनोज कुमार (मानसा), बेअंत कौर (बठिंडा), ओमकार मोहन सिंह (रूपनगर), गुरजोत सिंह कलेर (मोहाली) और सुखदीप कौर (बठिंडा) सहित छह नौजवानों को यह अवार्ड दिया। इन नौजवानों की सराहना करते हुये भगवंत मान ने उम्मीद जताई कि यह नौजवान समाज की भलाई के लिए आगे भी रचनात्मक भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि इन ऐवार्डों का नाम शहीद भगत सिंह के नाम पर रखा गया है, जिनका देश के लिए दिया महान बलिदान हमेशा नौजवानों को प्रेरित करता रहा है।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि हमारी सरकार ने शहीद भगत सिंह युवा अवार्ड फिर शुरू करने का फ़ैसला किया है, जो आज नौजवानों को दिया गया है। उन्होंने कहा कि यह अवार्ड हर साल अलग-अलग क्षेत्रों में लामिसाल योगदान डालने वाले नौजवानों को दिया जायेगा। भगवंत मान ने अफ़सोस प्रकट किया कि यह अवार्ड सात साल पहले बंद कर दिया गया था परन्तु अब सरकार ने इसको फिर शुरू किया है। मुख्यमंत्री ने दोहराया करवाया कि शहीद भगत सिंह ने छोटी उम्र में ही राष्ट्रीय स्वतंत्रता संग्राम में शामिल होकर देश को गुलामी की जंजीरों में से आज़ाद करवाने के लिए अहम भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि देश की बिना स्वार्थ सेवा करने के लिए शहीद- ए- आज़म हमेशा नौजवानों के लिए प्रेरणा का स्रोत रहेंगे। भगवंत मान ने नौजवानों को न्योता दिया कि मुल्क को प्रगतिशील और ख़ुशहाली की तरफ लेकर जाने के लिए शहीद भगत सिंह के पद-चिन्हों पर चलें।

मुख्यमंत्री ने हरेक गाँव में स्टेडियम बनाने के लिए ज़िला प्रशासन के उद्यम वाली नयी और निवेकली स्कीम 'खेल मैदान, हर पिंड दी पहचान' की भी शुरुआत की। उन्होंने कहा कि इससे नौजवानों की अथाह ताकत को रचनात्मकता की तरफ़ लाने में मदद मिलेगी। भगवंत मान ने राज्य में खेल को उत्साहित करने के लिए नौजवानों का समूचा विकास यकीनी बनाने की राज्य सरकार की वचनबद्धता भी दोहराई। इस समय मुख्यमंत्री के साथ कैबिनेट मंत्री गुरमीत सिंह मीत हेयर और अन्य उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री द्वारा हुसैनीवाला स्मारक के मुकम्मल कायाकल्प का ऐलान

फ़िरोज़पुर. पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने शहीद भगत सिंह की गौरवमयी विरासत को लम्बे समय तक कायम रखने के लिए हुसैनीवाला यादगार के मुकम्मल कायाकल्प का ऐलान किया है। शहीद भगत सिंह, शहीद राजगुरू और शहीद सुखदेव को श्रद्धाँजलि भेंट करने के बाद पत्रकारों के साथ बातचीत करते हुये मुख्यमंत्री ने कहा कि हर देश निवासी के लिए यह धरती पवित्र है क्योंकि बर्तानवी हकूमत ने इन शूरवीर योद्धाओं को शहीद करने के बाद यहाँ संस्कार किया था।

उन्होंने कहा कि यह जगह नौजवान पीढ़ियों को देश की निःस्वार्थ सेवा के लिए प्रेरित करती रहेगी। भगवंत मान ने कहा कि इस स्थान के व्यापक विकास के लिए नक्शा तैयार किया जा रहा है जिससे शहीदों को श्रद्धा के फूल भेंट करने के लिए रोज़मर्रा के सैंकड़ों की संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं को सुविधा मिल सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनको मान है कि वह स्वतंत्रता संग्राम में मातृभूमि के लिए अपने जीवन का बलिदान देने वाले शहीदों को श्रद्धाँजलि भेंट करने के लिए इस पवित्र धरती पर आए। भगवंत मान ने कहा कि शहीद- ए-आज़म भगत सिंह के सपनों को साकार करने के लिए राज्य सरकार कोई कसर बाकी नहीं छोड़गी। उन्होंने कहा कि समूचा देश अपने इस सच्चे सपूत का हमेशा कर्ज़दार रहेगा, जिसने 23 साल की छोटी उम्र में बर्तानवी साम्राज्यवाद के चंगुल में से देश को आज़ाद करवाने के लिए अपना बलिदान दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि फ़िरोज़पुर की मौजूदा तकनीकी यूनिवर्सिटी का किसी अन्य यूनिवर्सिटी में विलय नहीं किया जायेगा। उन्होंने कहा कि इससे सरहदी ज़िले के नौजवान देश की सामाजिक-आर्थिक तरक्की में सक्रिय हिस्सेदार बनने के योग्य होंगे। भगवंत मान ने कहा कि हुनरमंद प्रशिक्षण नौजवानों के लिए रोज़गार के नये मौके पैदा करेगा, जिससे राज्य से होते प्रतिभा पलायन भी रोका जा सकेगा।

TRAVELING

जैसे सर्दियों के मौसम में स्कींग और दूसरी एक्टिविटी करने का अलग मजा है, ठीक उसी तरह गर्मियों में रिवर राफ्टिंग को एंजॉय किया जा सकता है...

दोस्तों संग **रिवर राफ्टिंग** करने का है अलग मजा, बस भूलकर भी ना करें ये गलतियां

• **जालंधर ब्रीज.** फीचर

गर्मियों का मौसम शुरू हो गया है। इस मौसम में घूमने के लिए लोग हिल स्टेशन पर जाना पसंद करते हैं। ठीक उसी तरह इस मौसम में कुछ एडवेंचर एक्टिविटीज हैं जिन्हें लोग करना खूब पसंद करते हैं। इनमें से सबसे कॉमन है रिवर राफ्टिंग। गर्मी के मौसम में दोस्तों के साथ रिवर राफ्टिंग का प्लान बनाया जा सकता है। हालांकि, इसे करने से पहले आपको कुछ बातों को ध्यान में रखना चाहिए।

गाइड की बात पर दें ध्यान

रिवर राफ्टिंग करने से पहले लोग एक्साइटेड रहते हैं और इस चक्कर में गाइड की बात नहीं सुनते हैं। जो बड़ी गलती है। राफ्टिंग से पहले इस बात का ध्यान रखें कि अपने गाइड की बात सुनना बेहद जरूरी है। राफ्टिंग शुरू होने से पहले गाइड आपको सेफ्टी से जुड़ी चीजें बताते हैं। जिन्हें ध्यान से सुनने पर ही आप अपने गाइड की कमांड को फॉलो कर पाएंगे और राफ्टिंग का आनंद ले पाएंगे।

पैनिक ना हों

राफ्टिंग के दौरान लहरे बहुत तेज होती हैं। ऐसे में कई बार कुछ लोग पानी में गिर जाते हैं। इस स्थिती में आपको घबराना नहीं है। जब-जब वेव बढ़ जाए तो उन्हें देखकर पैनिक न हो और गाइड के कमांड को फॉलो करें।

सही से पहने लाइफ जैकेट-हेलमेट

राफ्टिंग के दौरान सुरक्षा के लिए लाइफ जैकेट और हेलमेट पहनाया जाता है। ऐसे में ये बेहद जरूरी है कि आप इसे सही से पहनें। इसी की मदद से आपको राफ्टिंग के दौरान सुरक्षा मिलती है।

पैडल चलाना भी है बेहद जरूरी

पैडल की मदद से नाव को बेहतर तरीके से चलाने में मदद मिलती है। ऐसे में जैसे-जैसे नाव आगे बढ़ती है गाइड आपको पैडल चलाने को लेकर बताता है।

FASHION+

जान्हवी कपूर-शनाया कपूर, साड़ी पहनकर बला की खूबसूरत लगती हैं ये एक्ट्रेस, लड़कियां ले सकती हैं स्टाइल टिप्स

जान्हवी कपूर-शनाया कपूर साड़ी पहनकर बेहद अट्रैक्टिव लगती हैं। हाल ही में उनके साड़ी में लुक्स सामने आए हैं जिसमे वो काफी खूबसूरत दिख रही हैं। उनके ये लुक लड़कियां कॉपी कर सकती हैं।

• **जालंधर ब्रीज.** फीचर

साड़ी पहनकर अगर हीरोइनों जैसा लुक चाहती हैं तो जान्हवी कपूर और शनाया कपूर के लेटेस्ट साड़ी लुक जरूर ट्राई करें। अगर आप किसी फंक्शन में साड़ी पहनने वाली हैं और अपने लिए किसी खास गर्ली लुक की तलाश में हैं तो इन एक्ट्रेस के जैसे तैयार हो सकती हैं। जान्हवी कपूर अपने साड़ी कलेक्शन की वजह से अक्सर सुर्खियां बटोरती हैं। वहीं स्टार किड शनाया कपूर अपने फैशन सेंस से तारीफ बटोरती हैं। इस बार दोनों हसीनाओं ने साड़ी पहनकर बेहद अट्रैक्टिव लुक दिखाया। जिसे देखकर लड़कियां फैशन टिप्स ले सकती हैं।

जान्हवी कपूर की पिंक साड़ी

पिंक कलर लड़कियों पर हमेशा जंचता है। जान्हवी कपूर हाल ही में इवेंट में शामिल होने के लिए गुलाबी रंग की ऑर्गेंजा सिल्क की साड़ी में रेडी हुईं। जिसमे वो बेहद अट्रैक्टिव दिख रही थीं। मिनिमम मेकअप और पिंक लिपस्टिक के साथ बालों को सॉफ्ट वेवी कर्ल किया गया था। वहीं पाउडर पिंक साड़ी के बॉर्डर पर बनी चिकनकारी कढ़ाई इसे स्पेशल बनाने के लिए काफी दिख रही थी।

जान्हवी ने साड़ी को यूं किया स्टाइल

जान्हवी कपूर ने इस पिंक ऑर्गेंजा साड़ी को नूडल स्ट्राइप वाले ब्लाउज के साथ पेयर किया है। वहीं कुंदन के स्टड इस साड़ी लुक को परफेक्ट बना रहे थे।

शनाया कपूर की रफल साड़ी

शनाया कपूर का रफल साड़ी लुक सामने आया था। जिसमे वो मिरर और सितारों से सजी आइवरी शेड की रफल साड़ी को पहनकर रेडी थी। इस साड़ी के साथ स्ट्राइप वाले ब्लाउज को मैच किया गया था। वहीं सिंपल स्ट्रेट सेंटर पार्टीशन हेयर और ग्लॉसी लिपस्टिक के साथ कानों में हैवी ईयररिंग अट्रैक्टिव लुक दे रही थी। तो अगर आप नेक्स्ट फंक्शन में साड़ी पहनकर रेडी होना चाहती हैं तो जान्हवी कपूर और शनाया कपूर के साड़ी वाले लुक को ट्राई कर सकती हैं।

लंच में बनाएं टेस्टी **मलाई प्याज**, रोटी के साथ लगती है जबरदस्त

खाने में कुछ अलग और टेस्टी बनाना चाहते हैं तो टेस्टी मलाई प्याज की रेसिपी ट्राई कर सकते हैं। यहां देखिए कम सामान में इस डिश को कैसे तैयार किया जा सकता है।

• **जालंधर ब्रीज.** रेसिपी

लंच में हर दिन क्या बनाएं ये एक बड़ा सवाल होता है। अधिकतर बच्चे सभी सब्जियां खाना पसंद भी नहीं करते हैं। ऐसे में कुछ अलग और टेस्टी खाने या बनाने का मन है तो आप प्याज से टेस्टी सब्जी बना सकते हैं। ये स्वाद में लाजवाब लगती है। इसे आप रोटी के साथ सर्व कर सकते हैं। यहां सीखिए मलाई प्याज बनाने का तरीका-

मलाई प्याज बनाने के लिए सामग्री-

- छोटे प्याज
- घी
- जीरा
- तेज पत्ता
- काली इलायची
- बड़ा प्याज
- नमक
- कश्मीरी लाल मिर्च पाउडर
- धनिया बीज पाउडर
- हल्दी पाउडर
- टमाटर की प्यूरी
- फ्रेश क्रीम
- दूध
- धनिया
- कसूरी मेथी
- गरम मसाला

बनाने की विधि-

इसे बनाने के लिए प्याज को अच्छे से छील कर भून लें। फिर एक कढ़ाई में घी गर्म करें और फिर इसमे जीरा, तेज पत्ता, काली इलायची, बारीक कटी प्याज, हरी मिर्च, अदरक और नमक डालें। फिर कश्मीरी लाल मिर्च पाउडर, धनिया बीज पाउडर, हल्दी पाउडर डालें। थोड़ा सा पानी डाल कर इसे ढक दें। फिर इसमे टमाटर की प्यूरी डालें। इसे ढक दें। अब इसमें दूध डालें। फिर प्याज और क्रीम डालकर भूनें। अब कसूरी मेथी-धनिया से गार्निश करें और रोटी से सर्व करें।

बच्चे को हो गई है मोबाइल की आदत तो डांटे नहीं, ऐसे छुड़ाएं लत

• **जालंधर ब्रीज.** फीचर

PARENTING

आजकल हर किसी के हाथ में स्मार्टफोन हो गया है। वहीं कोरोना की वजह से लगे लॉकडाउन ने छोटे-छोटे बच्चों के हाथ में मोबाइल थमा दिया। जिस पर उनकी ऑनलाइन क्लास चलती थी। लेकिन अब सारे स्कूल खुल जाने के बाद भी बच्चे जमकर मोबाइल का इस्तेमाल कर रहे हैं। जिसकी वजह से उनकी सेहत पर भी बुरा असर पड़ रहा है। बच्चे की दिनभर मोबाइल चलाते रहने की आदत से परेशान हो गई हैं तो उसे डांटे नहीं बल्कि इन तरीकों को अपनाएं। धीरे-धीरे दिनभर मोबाइल चलाने की आदत खुदबखुद कम हो जाएगी।

- बच्चे की पैरेंटिंग करते समय ध्यान रखें कि बच्चे मां-बाप को देखकर ही सीखते हैं। इसलिए सबसे पहले खुद के मोबाइल देखने की आदत पर कंट्रोल करें।
- अगर आपका टीनएज होता बच्चा मोबाइल गेमिंग की आदत पकड़ चुका है तो उसे एकदम से डांटकर मोबाइल ना छीनें। ऐसा करने से उस पर बुरा असर पड़ेगा बल्कि धीरे-धीरे और किसी दूसरे काम में उसका मन भटकाकर गेमिंग की लत को खत्म करें।
- बच्चा अगर जरूरत से ज्यादा मोबाइल चलाता है तो उसे होने वाले नुकसान के बारे में बताएं। मोबाइल के स्क्रीन से निकलने वाली ब्लू लाइट से होने वाले हार्मफुल इफेक्ट उसकी स्किन और आंखों को खराब कर देंगे। इस तरह की बातों को समझाने से बच्चे के मोबाइल की आदत छूटने में मदद मिलेगी।
- कभी भी बच्चे के हाथ से मोबाइल छीनकर और उसे डांटकर मोबाइल की लत को दूर नहीं किया जा सकता। छोटे बच्चे हैं तो उन्हें बाहर खेलने या उनकी फेवरेट एक्टीविटी की तरफ अट्रैक्ट करके मोबाइल की आदत को छुड़ाएं।
- 10 साल तक उम्र के बच्चों को मोबाइल देते समय उसमे पैरेंटल कंट्रोल ऐप लगाकर दें। जिससे कि बच्चा केवल अपने जरूरत की चीज ही देख सके।
- अगर बच्चा 10 साल से कम उम्र का है तो उसके मोबाइल देखने का टाइम फिक्स कर दें। इससे बच्चे की दिनभर मोबाइल चलाने की आदत पर कंट्रोल होगा और धीरे-धीरे ये आदत भी छूट जाएगी।

बीता हुआ बुरा वक्त भूलने के लिए इन तरीकों को अपनाएं

SKIN CARE

बहुत से लोगों के जीवन में कुछ बुरी बाते होती हैं जो उन्हें मानसिक रूप से परेशान करती हैं। इस तरह की बुरी बातें वक्त बे वक्त याद आती हैं तो इन तरीकों से उससे निकले।

• **जलंधर ब्रीज.** ब्यूटी

हर इंसान के जीवन में कुछ अच्छी और कुछ बुरी बातें होती हैं। लेकिन कई बार लोग उन बुरी बातों को ही याद करते हैं और दुखी होते हैं। जिसकी वजह से वर्तमान जिंदगी पर गहरा असर पड़ता है। कई बार ये बुरी यादें फोबिया और पोस्ट ट्रामेटिक स्ट्रेस डिसॉर्डर में बदल जाती हैं। लेकिन इंसान के दिमाग की खासियत है कि वो बुरी यादों को निकालना चाहता है। इसके लिए वो हर तरीका अपना सकता है। बस थोड़ी सी इच्छाशक्ति की जरुरत होती है। कई सारी स्टडी में पता चला है कि इंसान के लिए उन बुरी यादों को भुलाना पॉसिबल है।

मेमोरी को एक्सेप्ट करें

अपनी मेमोरी को एक्सेप्ट करें क्यों किये कभी बदली नहीं जा सकतीं। अपने साथ हुए बुरे घटनाक्रम को भुलाने के लिए जरूरी है कि उसे एक्सेप्ट करें और खुद को समझाएं कि अब आगे की लाइफ के बारे में सोचना है।

उन चीजों को अवॉइड करें

अगर किसी खास जगह या इंसान को देखकर बुरी याद फिर से ताजा हो जाती है तो उन सबको कुछ दिनों के लिए अवॉइड करें। जब तक कि वो यादें धुंधली ना हो जाएं।

अच्छी बातों के बारे में सोचें

बुरी यादे समय के साथ भूली जा सकती है। आप अपने अच्छे बीते कल को याद करने की कोशिश करें। जिससे आपको खुशी मिलेगी और बुरा एहसास भूलने में मदद।

खुद को रखें बिजी

अगर हमेशा आपको अपने साथ हुआ बुरा पल याद आता है तो उससे निकलने के लिए जरूरी है कि खुद को कहीं व्यस्त रखें। लोगों के बीच या काम से खुद को इतना बिजी कर लें कि सोचने का वक्त ना मिले।

वॉक करें

वॉक करने से दिमाग से ऐसे केमिकल निकलते हैं जो मूड को ठीक करने में मदद करते हैं। ऐसे में जब भी बुरी यादें दिमाग में आएं तो वॉक पर निकल जाएं। ऐसा करने से बुरा वक्त बीतने में समय नहीं लगता।

टेक्सटाइल मेगा पार्क– 'मेक इन इंडिया' के तहत पूरी दुनिया के लिए भारतीय उत्पाद निर्माण की ओर एक बड़ा कदम

• **जालंधर ब्रीज.** नई दिल्ली

प्राचीन काल से चली आ रही भारतीय वस्त्रों की समृद्ध परंपरा, एक लंबी छलांग लगाने के लिए तैयार है, जो देश को एक वैश्विक निवेश, विनिर्माण और निर्यात केंद्र बना देगी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तमिलनाडु, तेलंगाना, कर्नाटक, महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में सात पीएम मित्र मेगा टेक्सटाइल पार्क के निर्माण की घोषणा की है। ये मेगा टेक्सटाइल पार्क 4,445 करोड़ रुपये के परिव्यय से निर्मित किए जाएंगे। इस क्षेत्र की अवसंरचना के लिए, यह अब तक की सबसे बड़ी पहल होगी।

प्रधानमंत्री के 5एफ विजन (खेत से फाइबर से फैक्टरी से फैशन से विदेश तक) से प्रेरित होकर, पीएम मित्र पार्क योजना; आत्मनिर्भर भारत और 'वोकल फॉर लोकल' पहल को हासिल करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। ये मेगा पार्क इस क्षेत्र को 2030 तक 250 बिलियन डॉलर के कारोबार और 100 बिलियन डॉलर के निर्यात के लक्ष्य को हासिल करने में मदद करेंगे।

मेगा टेक्सटाइल पार्क वस्त्र क्षेत्र में व्यापक बदलाव करेंगे और प्रत्येक स्थल पर विश्व स्तरीय सुविधाओं, अत्याधुनिक अवसंरचना और एकीकृत मूल्य श्रृंखला की मदद से वैश्विक चैंपियन तैयार करेंगे। निर्माण और विकास करने वाली एक प्रमुख कंपनी का चयन किया जाएगा, जो पीएम मित्र पार्क की डिजाइन, योजना, निर्माण, वित्तपोषण, संचालन और रख-रखाव के लिए जिम्मेदार होगी। यह उद्योग के लिए एक बड़ी छलांग है, क्योंकि मूल्य श्रृंखला वर्तमान में पूरे देश में बिखरी हुई है, जो श्रृंखला के प्रत्येक संपर्क-बिंदु पर लागत और विलंब में वृद्धि करती है।

भारतीय उद्योग विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी बन जायेंगे, क्योंकि पार्क उत्पादन बढ़ाने, लागत में कटौती करने, दक्षता में सुधार करने और उच्च गुणवत्ता वाले वस्त्रों व परिधानों की आपूर्ति में मदद करेंगे। ये मेगा पार्क रोजगार के लगभग 20 लाख प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष अवसरों का सृजन करेंगे और अनुमानित 70,000 करोड़ रुपये के घरेलू और विदेशी निवेश को आकर्षित करेंगे। ये मेगा पार्क शून्य द्रव रिसाव, साझा अपशिष्ट शोधन संयंत्र, उत्सर्जन मुक्त नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग और वैश्विक सर्वोत्तम तौर-तरीकों को अपनाने के साथ, सतत विकास के शानदार उदाहरण होंगे। ये मेगा पार्क ऐसे उत्पादों के निर्माण करने के प्रधानमंत्री के आह्वान के अनुरूप हैं जिनमें कोई खामी न हो और पर्यावरण पर जिनका कोई दुष्प्रभाव न हो।

यह रेखांकित करना प्रासंगिक है कि सदियों से, भारतीय वस्त्रों ने वैश्विक पहचान बनाई है, लेकिन दुर्भाग्य से, पिछली सरकारों द्वारा इस क्षेत्र को काफी अनदेखा किया गया। यह प्रधानमंत्री मोदी की दूरदर्शिता थी, जिसके तहत वस्त्र क्षेत्र के लिए पीएम मित्र योजना शुरू की गयी है। भारतीय अर्थव्यवस्था के मुख्य आधारों में से एक- वस्त्र क्षेत्र, भारतीय निर्यात का एक अहम हिस्सा है और इस क्षेत्र में साधारण किसानों से लेकर शहर के संपन्न निवासियों व व्यापार जगत के अग्रणी लोग तक शामिल हैं। वस्त्र क्षेत्र लाखों लोगों के लिए आजीविका का स्रोत है।

पीएम मित्र पार्क स्थापित करने के लिए 13 राज्यों से 18 प्रस्ताव प्राप्त हुए थे। एक पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से सात मेगा पार्कों का चयन किया गया, जिन्हें पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय अवसंरचना मास्टरप्लान द्वारा मान्यता दी गयी थी। यह सहयोगी

जालंधर ब्रीज

पीयूष गोयल

(लेखक, केन्द्रीय वाणिज्य एवं उद्योग, उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण तथा वस्त्र मंत्री और राज्यसभा में सदन के नेता हैं)

संघवाद का एक और उदाहरण है, क्योंकि केंद्र और संबंधित राज्य, दोनों ही विशेष प्रयोजन कंपनी (एसपीवी) के भागीदार होंगे, जो इन मेगा पार्कों की स्थापना और प्रबंधन करेंगी।

इन पार्कों की स्थापना हेतु राज्य सरकारें कम से कम 1,000 एकड़ भूमि उपलब्ध करायेंगी। राज्य सरकारें उत्पादन प्रक्रिया के सुचारु संचालन एवं व्यापार करने में आसानी को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एक अनुकूल व स्थिर नीतिगत व्यवस्था के साथ-साथ बिजली एवं पानी की आपूर्ति तथा कचरे के निपटारे की एक भरोसेमंद व्यवस्था तथा एकल खिड़की मंजूरी की एक कारगर सुविधा भी प्रदान करेंगी।

इन मेगा पार्कों में उत्कृष्ट बुनियादी ढांचे एवं प्लग-एंड-प्ले सुविधाओं के साथ-साथ वस्त्र उद्योग के लिए आवश्यक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संबंधी सहायता भी उपलब्ध होंगी। ये पार्क एक ऐसा अनूठा मॉडल पेश करेंगे जहां केन्द्र और राज्य सरकारें निवेश बढ़ाने, नवाचार को प्रोत्साहित करने, रोजगार सृजित करने और वस्त्र के क्षेत्र में भारत को दुनिया में अग्रणी बनाने हेतु मिलकर काम करेंगी।

वस्त्र उद्योग ने सरकार की इस महत्वपूर्ण पहल के प्रति उत्साहवर्द्धक प्रतिक्रिया दी है। सरकार द्वारा यह पहल सभी हितधारकों के साथ व्यापक विचार-विमर्श के बाद शुरू की गई है। सीआईआई और फिक्की जैसे शीर्ष उद्योग संगठनों के साथ-साथ वस्त्र क्षेत्र से जुड़े प्रमुख उद्योग संघों ने पीएम मित्र मेगा पार्कों की स्थापना की घोषणा की सराहना की है।

उद्योग संगठनों ने यह उम्मीद व्यक्त की है कि अपेक्षाकृत कम लॉजिस्टिक्स लागत, आधुनिक बुनियादी ढांचा, वैश्विक स्तर पर व्यापार की संभावनाएं और केन्द्र एवं राज्य सरकारों की सहायक नीतियां भारतीय वस्त्र उद्योग को नई ऊंचाइयों पर ले जायेंगी और भारतीय व विदेशी उपभोक्ताओं को प्रतिस्पर्धी कीमतों पर उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद उपलब्ध करायेंगी। वस्त्र मंत्रालय इन परियोजनाओं के कार्यान्वयन की निगरानी करेगा। मंत्रालय प्रत्येक पार्क के एसपीवी को विकास हेतु पूंजीगत सहायता के रूप में ग्रीनफील्ड पार्कों के लिए 500 करोड़ रुपये और ब्राउनफील्ड पार्कों के लिए 200 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान करेगा। इसके अलावा, वह कार्यान्वयन को तेजी से आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से प्रत्येक पार्क में स्थित इकाइयों को 300 करोड़ रुपये तक की राशि प्रदान करेगा। यह कदम अतिरिक्त प्रोत्साहन देने हेतु अन्य सरकारी योजनाओं के साथ समन्वय की सुविधा भी प्रदान करेगा।

पीएम मित्र के प्रावधान वैसे मुक्त व्यापार समझौतों पर हस्ताक्षर करने के लिए सरकार की विभिन्न पहल के साथ सामंजस्य बिठाते हैं, जो विकसित बाजारों में हमारे भारतीय वस्त्रों, परिधानों तथा कई अन्य क्षेत्रों के लिए व्यापार की संभावनाओं को बेहतर बनाते हैं। भारत पहले ही संयुक्त अरब अमीरात एवं ऑस्ट्रेलिया के साथ व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर कर चुका है और कनाडा, ब्रिटेन एवं यूरोपीय संघ के साथ इस संबंध में बातचीत कर रहा है। इन प्रयासों से भारतीय वस्त्रों को लाभकारी विकसित बाजारों में अपनी पैठ मजबूत करने में मदद मिलेगी और वस्त्र एवं परिधान के वैश्विक व्यापार में देश की हिस्सेदारी में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। भारत की गिनती पहले ही दुनिया के सबसे बड़े वस्त्र एवं परिधान निर्यातक देशों में से एक के रूप में होती है। लेकिन अब जबकि देश 2047 तक प्रधानमंत्री मोदी के निर्णायक एवं दूरदर्शी नेतृत्व में एक विकसित राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर है, अमृत काल में हमारी आकांक्षा दुनिया का सबसे बड़ा वस्त्र निर्यातक देश बनने की है। पीएम मित्र के जरिए हम सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

मुख्यमंत्री भगवंत मान ने जी20 की मेजबानी के अवसर के लिए भारत सरकार को धन्यवाद दिया

• **जालंधर ब्रीज.** अमृतसर

शिक्षा मंत्रालय के तहत आईआईटी रोपड़ ने खालसा कॉलेज में 'अनुसंधान को मजबूत करने और समृद्ध सहयोग के माध्यम से नवाचार को बढ़ावा देने' पर एक सेमिनार आयोजित किया। इस कार्यक्रम ने काम और नवाचार के भविष्य पर चर्चा करने के लिए G20 एजुकेशन वर्किंग ग्रुप के प्रतिनिधियों को एक साथ लाया।

आईआईटी रोपड़ के निदेशक प्रो. राजीव आहूजा ने प्रतिभागियों का स्वागत किया और विश्व स्तर पर अनुसंधान और नवाचार में खुद को एक अग्रणी के रूप में स्थापित करने के लिए भारत के अवसर पर प्रकाश डाला।

उच्च शिक्षा सचिव के. संजय मूर्ति भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए। प्रो गोविंद रंगराजन, निदेशक, आईआईएससी ने डोमेन की अन्योन्याश्रितता और समस्याओं को हल करने के लिए अंत:विषय कार्रवाई पर ज्ञानवर्धक विचार साझा किए। उन्होंने भारत के मितव्ययी नवाचारों पर भी प्रकाश डाला, जिनमें विकसित दुनिया की समस्याओं को हल करने की क्षमता है, और जमीनी स्तर पर नवाचार को स्वीकार करने और उपयोग करने की आवश्यकता है। प्रोफेसर मूर्ति, निदेशक, आईआईटी हैदराबाद, ने विश्व की गंभीर समस्याओं का समाधान खोजने के लिए सरकार-शिक्षा जगत-उद्योग के बीच तालमेल की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भारत में शिक्षा में क्रांतिकारी सुधार लेकर आई है, और विभिन्न कार्यक्रम देश में क्रॉस-इंस्टीट्यूशनल सहयोग को बढ़ावा देने में मदद कर रहे हैं जैसे I-STEM पोर्टल, IIventive IIT-R&D मेला आदि।

प्रो. अनिल गुप्ता द्वारा संचालित और प्रो. राजीव आहूजा की अध्यक्षता में 'रिसर्च इन इमर्जिंग एंड डिसरप्टिव टेक्नोलॉजीज, इंडस्ट्री -4.0' शीर्षक वाले पहले पैनल ने ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, भारत और यूके के पैनलिस्टों को एक साथ लाया, जिन्होंने विभिन्न हितधारकों की भूमिका पर उचित अंतर्दृष्टि साझा की। उभरते नवाचारों, शिक्षा प्रणालियों और सामान्य रूप से समाज पर उनके प्रभाव पर शोध को बढ़ावा देना।

चीन, ओमान, दक्षिण अफ्रीका, संयुक्त अरब अमीरात और यूनिसेफ का प्रतिनिधित्व करने वाले पैनलिस्टों के साथ प्रोफेसर शालिनी भारत की अध्यक्षता में 'रिसर्च इन सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स' पर दूसरे पैनल ने विश्वविद्यालयों की क्षमताओं को बढ़ाने के लिए अनुसंधान का मूल होने पर महत्व दिया।

पैनलिस्टों में से एक, सुश्री एलिसन डेल, सहायक सचिव, ऑस्ट्रेलियाई सरकार के शिक्षा विभाग, ने अपने देश में राष्ट्रीय सहयोगात्मक अवसंरचना योजना के बारे में और उनकी सरकार अनुप्रयुक्त अनुसंधान की दिशा में क्या कर रही है, इस बारे में चर्चा की। उन्होंने अतीत में ऑस्ट्रेलियाई और भारतीय संस्थानों के बीच सफल साझेदारी पर प्रकाश डालते हुए अनुसंधान और नवाचार में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने आशा व्यक्त की कि इस तरह के सहयोग फलते-फूलते रहेंगे और दोनों देशों के सतत विकास में योगदान देंगे।

संगोष्ठी वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए समाधान डिजाइन करने के लिए सरकार-शिक्षा-उद्योग संबंधों के बीच की खाई को पाटने पर केंद्रित थी। शिक्षा में मल्टीडिसिप्लिनरी लाने की जरूरत है। चर्चा एक आम सहमति पर पहुंची कि अनुसंधान सहयोग समय की आवश्यकता है और देशों / संस्थानों को सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए ट्रांसलेशनल अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए साइलो को तोड़ने की आवश्यकता है, जैसा कि उन्होंने कोविड 19 महामारी के दौरान किया था। अनुसंधान डेटा और आउटपुट साझा करने के लिए रूपरेखाएँ स्थापित करने की भी आवश्यकता है। जी20 देशों को वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए उभरती और विघटनकारी प्रौद्योगिकियों के प्रभावी उपयोग के लिए एक सामान्य ढांचा स्थापित करने की दिशा में भी काम करना चाहिए।

संगोष्ठी का समापन पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के संबोधन के साथ हुआ। उन्होंने प्रतिनिधियों का स्वागत किया और पंजाब राज्य में शिक्षा और नवाचार के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने प्रतिभागियों को पंजाबी भोजन आजमाने और राज्य की समृद्ध संस्कृति का अनुभव करने के लिए आमंत्रित किया। मान ने पंजाब को जी20 सेकेंड एजुकेशन वर्किंग ग्रुप मीटिंग की मेजबानी का मौका देने के लिए भारत सरकार का आभार व्यक्त किया।

जी20 एजुकेशन ग्रुप मीट के हिस्से के रूप में खालसा कॉलेज, अमृतसर में प्रदर्शनी में नवीन तकनीकों और विचारों का प्रदर्शन

अमृतसर . G20 2nd EdWG मीटिंग के एक भाग के रूप में, शिक्षा मंत्रालय ने 15 मार्च 2023 को खालसा कॉलेज, अमृतसर में IIT रोपड़ के साथ साझेदारी करके एक मल्टीमीडिया प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। पंजाब के मुख्यमंत्री, भगवंत मान ने प्रदर्शनी का उद्घाटन किया और अधिकारियों द्वारा इसका विशेष दौरा भी कराया गया।

इस प्रदर्शनी में 90 से अधिक स्टॉल लगाए गए हैं जिनमें एनसीईआरटी, एनबीटी (नेशनल बुक ट्रस्ट), एनएसडीसी, आईकेएस (इंडियन नॉलेज सिस्टम), आईएसआई कोलकाता में आईडीईएएस प्रौद्योगिकी इनोवेशन हब, पंजाब टूरिज्म, आईआईएम अमृतसर, आईआईटी मंडी, आईआईटी रोपड़ और कई अन्य स्टार्ट-अप था। प्रदर्शनी का उद्देश्य शिक्षा के क्षेत्र में अनुसंधान और सहयोग के संबंध में प्रत्यक्ष अनुभव प्रदान करना और सीखना शामिल था।

प्रदर्शनी का उद्घाटन पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने किया, जिन्होंने प्रदर्शनी के आयोजन में आईआईटी रोपड़ के प्रयासों की प्रशंसा की और प्रदर्शन पर नवीन प्रौद्योगिकियों और विचारों की सराहना की। प्रदर्शनी की सराहना में, उन्होंने कहा, "हमारे संस्थानों में विकसित हो रहे नवाचारों और विचारों को देखकर खुशी हो रही है। इस तरह की प्रदर्शनियां हमारे समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए ऐसे विचारों और प्रौद्योगिकियों की क्षमता को प्रदर्शित करने और उजागर करने का एक बहुत बढ़िया मंच हैं।"

सैनी जागृति मंच पंजाब द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर में शामिल हुए बोले-

रक्तदान से बचाई जा सकती हैं कई कीमती जानें : ब्रम शंकर जिम्पा

• सैनी जागृति मंच पंजाब द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर में शामिल कैबिनेट मंत्री ब्रम शंकर जिम्पा। साथ हैं मेयर सुरिंदर कुमार, सीनियर डिप्टी मेयर प्रवीण सैनी, मंच अध्यक्ष कुलवंत सिंह सैनी व अन्य।

• **जालंधर ब्रीज.** होशियारपुर

रक्तदान करना मानवता की सबसे बड़ी सेवा है क्योंकि रक्तदान एक ऐसा महादान है जो कई कीमती जिंदगियों को बचा सकता है। यह बात कैबिनेट मंत्री ब्रम शंकर जिम्पा ने ऊना रोड स्थित सैनी भवन में सैनी जागृति मंच पंजाब द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर में भाग लेने के अवसर पर कही।

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि खून की एक-एक बूंद कीमती है जो किसी भी मर रहे व्यक्ति को जीवन दे सकती है। उन्होंने कहा कि रक्तदान करने से कोई कमजोरी नहीं आती लेकिन मन को संतोष मिलता है कि हमने रक्तदान कर किसी जरूरतमंद को जीवनदान दिया है। इसलिए हर स्वस्थ व्यक्ति को रक्तदान करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि हमारा जीवन मानवता की सेवा के लिए समर्पित होना चाहिए और रक्तदान कर कोई भी मानवता की सेवा में अपना योगदान दे सकता है। इस दौरान भाई घनहैया जी चैरिटेबल ब्लड बैंक द्वारा करीब 40 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया।

इस मौके पर सैनी जागृति मंच के प्रदेश अध्यक्ष कुलवंत सिंह सैनी व संस्थापक संदीप सैनी ने कैबिनेट मंत्री व रक्तदान करने वाले सभी लोगों को सम्मानित किया।

इस अवसर पर मेयर सुरिंदर कुमार, सीनियर डिप्टी मेयर प्रवीण सैनी, मंच के प्रदेश युवा अध्यक्ष प्रभजोत सिंह, जिलाध्यक्ष तरलोचन सिंह सैनी, महासचिव हरविंदर सिंह, चरणजीत सिंह लुधियाना, जिला युवा अध्यक्ष कृपाल सिंह पाली, प्रेम सैनी, चंद्रशेखर, अजय मोहन बब्बी, मनजीत सिंह, सरबजीत सिंह सैनी टांडा, अवतार सिंह बस्सी, जीवन, गोल्डी सरपंच, सन्नी खोसला, जिंदू सैनी, राजा सैनी, बिट्टू गिद्दा, करुण सैनी सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

वांछित अपराधी मेहुल चिनूभाई चौकसी के रेड नोटिस के संदर्भ में

• **जालंधर ब्रीज.** नई दिल्ली

सीबीआई ने पंजाब नेशनल बैंक के साथ धोखाधड़ी करने पर मेहुल चोकसी एवं अन्य के विरूद्ध दिनाँक 15.02.2018 को मामला दर्ज किया। सीबीआई ने इस मामले में वांछित अपराधी मेहुल चोकसी तथा अन्य के विरुद्ध भारतीय दंड संहिता(IPC) की धारा 120-बी के साथ पठित धारा 409, 420, 477ए, 201 तथा भ्रष्टाचार निवारण

अधिनियम, 1988 की धारा 7 और 13(2) के साथ पठित धारा 13(1)(सी) एवं (डी) के तहत पूर्व में दो आरोप पत्र दायर किये हैं। इसके पश्चात वर्ष 2022 में, सीबीआई ने मेहुल चोकसी एवं अन्य के विरुद्ध बैंकों और वित्तीय संस्थानों के साथ धोखाधड़ी करने पर अन्य पांच आपराधिक मामले दर्ज किए।

इंटरपोल हेतु राष्ट्रीय केंद्रीय ब्यूरो के रूप में सीबीआई ने फरवरी, 2018 में फरार अपराधी मेहुल चिनूभाई चोकसी का पता लगाने के लिए व्यापन(Diffusion) जारी किया। विदेशी कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ सीधे समन्वय में सीबीआई द्वारा अपराधी की गतिविधियों पर नज़र रखी गई एवं उनकी भौगोलिक स्थिति एंटीगुआ और बारबुडा में पता लगाई। अगस्त, 2018 में मेहुल चिनूभाई चोकसी के विरुद्ध प्रत्यर्पण अनुरोध को राजनयिक चैनलों के माध्यम से एंटीगुआ एवं बारबुडा के सक्षम अधिकारियों को भेजा गया था।

वर्ष 2018 में, वांछित अपराधी मेहुल चिनूभाई चोकसी ने इंटरपोल की फाइलों के नियंत्रण हेतु आयोग (सीसीएफ) से संपर्क किया और रेड नोटिस के प्रकाशन/जारी न करने का अनुरोध किया। सीसीएफ, इंटरपोल के भीतर एक अलग निकाय है जो इंटरपोल सचिवालय के नियंत्रण में नहीं है एवं जिसमे मुख्य रूप से विभिन्न देशों के निर्वाचित अधिवक्ताओं होते हैं। सीसीएफ ने उनके अनुरोध का अध्ययन किया था और सीबीआई से परामर्श किया था। सीसीएफ ने मेहुल चिनूभाई चोकसी के अभ्यावेदन(representation) को खारिज कर दिया एवं इंटरपोल ने रेड नोटिस प्रकाशित/जारी किया।

इंटरपोल ने सीबीआई एवं ईडी के अनुरोध पर दिसंबर, 2018 में वांछित आरोपी मेहुल चिनूभाई चोकसी के विरुद्ध रेड नोटिस प्रकाशित/जारी किया था। यह रेड नोटिस वांछित अपराधी की सीबीआई द्वारा भू-स्थिति के पश्चात और प्रत्यर्पण अनुरोध की शुरुआत के बाद प्रकाशित हुआ था। इंटरपोल द्वारा जारी किए गए रेड नोटिस का उद्देश्य किसी वांछित व्यक्ति के ठिकाने की तलाश करना एवं प्रत्यर्पण, आत्मसमर्पण या इसी तरह की कार्रवाई का उद्देश्य से उनकी हिरासत, गिरफ्तारी या आवाजाही पर प्रतिबंध लगाना होता है। यह ध्यान देने योग्य है कि इंटरपोल रेड नोटिस के प्रकाशन से पहले ही मेहुल चिनूभाई चोकसी का पता लगा लिया गया था और उसके प्रत्यर्पण के लिए कदम भी उठाए गए थे। हालांकि रेड नोटिस का प्राथमिक उद्देश्य पहले ही प्राप्त कर लिया गया था, फिर भी सतर्कता के रूप में इसे बरकरार रखा गया था। जैसा कि वांछित अपराधी मेहुल चिनूभाई चोकसी के विरुद्ध प्रत्यर्पण की कार्यवाही एंटीगुआ एवं बारबुडा में चल रही थी, विचलन/व्यवधान पैदा करने के लिए, अपराधी मेहुल चिनूभाई चोकसी ने पूरी तरह से मनगढ़ंत और काल्पनिक कथाओं के साथ विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों से संपर्क कर रहा था। वर्ष 2019 में, वांछित अपराधी मेहुल चिनूभाई चोकसी ने पुनः इंटरपोल की फाइलों के नियंत्रण हेतु आयोग (सीसीएफ) से संपर्क किया और इंटरपोल की वेबसाइट से रेड नोटिस को हटाने की मांग की। सीसीएफ ने उनके अनुरोध का अध्ययन किया, सीबीआई से परामर्श किया तथा सूचनाओं के आधार पर वर्ष 2020 में फिर से वांछित अपराधी मेहुल चिनूभाई चोकसी की याचिका खारिज कर दी।

एंटीगुआ एवं बारबुडा से निकट प्रत्यर्पण की संभावनाओं का सामना कर रहे वांछित अपराधी मेहुल चिनूभाई चोकसी ने पुनः जारी प्रक्रिया से ध्यान भटकाने एवं जारी प्रत्यर्पण कार्यवाही को पटरी से उतारने के लिए झूठे दावों, मनगढ़ंत नाटकीय कहानियों तथा काल्पनिक कथाओं के साथ विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों से संपर्क किया और वर्ष 2020 के सीसीएफ के अपने पूर्व के फैसले को संशोधित कराने हेतु जुलाई, 2022 में भी सीसीएफ से संपर्क किया। सीसीएफ ने इस मामलें में सीबीआई और ईडी से परामर्श किया एवं सीसीएफ को यह पुरजोर बताया गया कि वांछित अपराधी मेहुल चिनूभाई चोकसी के बयान तथ्यात्मक रूप से पूरी तरह से निराधार और सबूतव्हीन हैं । यह स्पष्ट किया जाता है कि हताश वांछित अपराधी मेहुल चिनूभाई चोकसी भारत में कानून की प्रक्रिया से बचने के लिए एंटीगुआ एवं बारबुडा में चल रही प्रत्यर्पण कार्यवाही को पटरी से उतारने की हर संभव कोशिश कर रहा है। हालांकि, केवल काल्पनिक अनुमानों और अप्रमाणित अनुमानों के आधार पर, पांच सदस्यीय सीसीएफ चैंबर ने नवंबर, 2022 में सूचित किए गए रेड नोटिस को हटाने का निर्णय लिया।

ध्यान रहे कि इंटरपोल रेड नोटिस प्रत्यर्पण कार्यवाही के लिए न तो पूर्व अपेक्षित(pre requisite) है और न ही आवश्यकता है। सीबीआई का ग्लोबल ऑपरेशंस सेंटर, मेहुल चिनूभाई चोकसी जैसे वांछित अपराधियों के गतिविधियों की बारीकी से निगरानी करना जारी रखे हुए है, विदेशी कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ सीधे समन्वय में है एवं केवल इंटरपोल चैनलों पर ही निर्भर नहीं है। भारत द्वारा किया गया प्रत्यर्पण अनुरोध एंटीगुआ और बारबुडा में प्राधिकारियों के समक्ष सक्रिय रूप से विचाराधीन है एवं इंटरपोल के साथ रेड नोटिस संबंधी सूचनाओं से पूरी तरह अप्रभावित है। सीबीआई आपराधिक न्याय की प्रक्रिया का सामना करने हेतु भगोड़ों एवं अपराधियों की भारत वापसी के लिए प्रतिबद्ध है। वांछित अपराधियों और आर्थिक अपराधियों की भौगोलिक स्थिति एवं वापसी हेतु विदेशी कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ निकट समन्वय में व्यवस्थित कदम उठाए गए हैं। पिछले 15 महीनों में 30 से अधिक वांछित अपराधी भारत लौट आए हैं।

सुपरडैंट को गोली मारने की धमकी देने वाले का असला लाइसैंस निलंबित

हथियार को तत्काल थाने में जमा कराने और 15 दिन के भीतर लिखित जवाब देने का आदेश

• जालंधर ब्रीज.कपूरथला

डिप्टी कमिश्नर कम जिला मैजिस्ट्रेट कपूरथला विशेष सारंगल द्वारा सख्त कार्यवाही तहत सुपरडैंट (राजस्व) को गोली मारने की धमकी देने वाले हरविंदर सिंह पुत्र सुरजीत सिंह निवासी हुडिआंवाल जिला कपूरथला का असला लाइसैंस तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। यह कार्रवाई डिप्टी कमिश्नर द्वारा सुपरडैंट (राजस्व) सतबीर सिंह निवासी मकान नंबर 189, ग्रीन पार्क, फेज-1 कपूरथला द्वारा इससे सबंधित लिखित रूप में ध्यान लाने के बाद की गई है। नरिंदर सिंह सीनियर सहायक, डिप्टी कमिश्नर कार्यालय से 21 मार्च को जिला राजस्व अधिकारी कपूरथला द्वारा एक लिखित शिकायत के आधार पर सरकारी सेवा से निलंबित कर दिया गया था। शिकायत के अनुसार, नरिंदर सिंह अपने 2 साथियों के साथ जिला राजस्व अधिकारी के कार्यालय में गया और जांच के मामले में दुर्व्यवहार और धमकी दी, जिसके कारण डिप्टी कमिश्नर ने संबंधित कर्मचारी को निलंबित कर दिया और उसके 2 सहयोगियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया। डिप्टी कमिश्नर को सतबीर सिंह की अर्जी के अनुसार निलंबित नरिंदर सिंह के भाई हरविंदर सिंह चीमा ने धमकी दी कि उसके रिवाल्वर में 6 गोलियां हैं, जो वह उसके सीने पर मार सकता है। शिकायतकर्ता द्वारा निवेदन किया गया कि हरविंदर सिंह चीमा उसके घर के सामने ही रहता है, जिससे उसकी जान माल को खतरा है। डिप्टी कमिश्नर द्वारा इस मामले में फाइल पर तथ्यों की जांच करने और मामले की तत्परता को ध्यान में रखते हुए, किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए आर्म्स एक्ट 1959 की धारा 17 (3) ए के तहत शक्तियों का उपयोग करते हुए, आर्म्स लाइसेंसी हरविंदर सिंह पुत्र सुरजीत सिंह निवासी ग्राम हुडिआंवाल, जिला कपूरथला, असला लाइसेंस नंबर डीएम कपीटी आर्म्स, एस.एल. एल.डी. 1219-16 जिस पर 32 बोर की रिवाल्वर व 12 बोर की बंदूक के हथियार दर्ज हैं, को जनहित व आवेदक की सुरक्षा को देखते हुए निलम्बित कर दिया गया है।

जारी आदेश के अनुसार असला धारक को निर्देश दिया गया है कि वह अपने असले को संबंधित थाने में जमा करायें तथा अपने बन्दूक के लाइसेंस की रसीद डिप्टी कमिश्नर कार्यालय में जमा करायें। इसके साथ ही लाइसेंसधारी 15 दिनों के भीतर कार्यालय को अपना लिखित जवाब देने के लिए बाध्य है कि उसका असला लाइसेंस क्यों न रद्द कर दिया जाए।

डिप्टी कमिश्नर ने कहा कि कर्मचारियों को डरा धमकाकर ड्यूटी में बाधा डालने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि अधिकारी और कर्मचारी पूरी लगन से काम कर रहे हैं और उन्हें धमकी देने और काम में बाधा डालने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इन आदेशों के मुताबिक सीनियर पुलिस कप्तान कपूरथला को लिखा गया है कि अगर लाइसेंसधारी आदेश जारी होने के तुरंत बाद अपना हथियार जमा नहीं करता है तो नियमानुसार उसके असला लाइसेंस पर दर्ज हथियार को जब्त कर लिया जाए।

सीबीसी द्वारा शहीदी दिवस के अवसर पर साईकिल रैली और भाषण प्रतियोगिता आयोजित

हमें पूर्वजों के बलिदान से सीखना चाहिए : धीरज वशिष्ठ

• जालंधर ब्रीज.होशियारपुर

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के तीन महान शहीदों - शहीद-ए-आजम भगत सिंह, शिवराम राजगुरु और सुखदेव थापर के शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में सूचना और प्रसारण मंत्रालय के केंद्रीय संचार ब्यूरो (सी.बी.सी) ने आज जिला प्रशासन, जीएनए यूनिवर्सिटी और फिट बाइकर्स क्लब के सहयोग से एक साईकिल रैली का आयोजन किया। जिला शिक्षा अधिकारी हरभगवंत सिंह, डीएसपी (सिटी) पलविंदर सिंह, जीएनए यूनिवर्सिटी के प्रो-वाइस चांसलर डॉ. हेमंत शर्मा और रजिस्ट्रार डॉ. कुणाल बैंस, सीबीसी के फील्ड पब्लिसिटी ऑफिसर, राजेश बाली ने इस रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। विभिन्न स्थानों से होते हुए इस रैली का समापन शहर की डिजिटल लाइब्रेरी में हुआ। इस दौरान साईकिल सवारों द्वारा 'से नो टू ड्रग्स' के संदेश को प्रचारित तथा प्रसारित किया गया।

इसमें सैकड़ों विद्यार्थियों, युवाओं और फिट बाइकर्स क्लब के सदस्यों ने विशेष रूप से सक्रियता से भाग लिया। लाइब्रेरी में आजादी का अमृत महोत्सव प्रदर्शनी स्थल पर पहुंचने से पहले सभी ने भगत सिंह चौक पर तीनों महान शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। बाद में प्रदर्शनी स्थल पर शहीदों को समर्पित देशभक्ति पर आधारित भाषण प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया जोकि आजादी का अमृत महोत्सव का हिस्सा था। इसमें कई स्कूलों और कॉलेजों के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। उप जिला शिक्षा अधिकारी धीरज वशिष्ठ इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे।

तीन जजों के पैनल में शामिल त्रिलोचन सिंह, रमनदीप कौर और मृदुला शर्मा, क्रमशः खडकां, खुआसपुर हीरां और फलाही के सरकारी सीनियर सैकेंडरी स्कूलों के प्रधानाचार्यों ने प्रतियोगिता का फैसला दिया।

भाषण प्रतियोगिता के विजेता थे : जैसमीन जीएसएसएस, फलाही प्रथम, मनमीन कौर, सरकारी कॉलेज होशियारपुर द्वितीय और प्रीति, जीएसएस स्कूल, रेलवे मंडी ने तीसरा पुरस्कार हासिल किया जबकि नेहा शर्मा, सरकारी कॉलेज होशियारपुर ने सांत्वना पुरस्कार जीता। इस दौरान, घरेलू हिंसा से प्रभावित महिलाओं की मदद के लिए बने वन स्टॉप सैंटर की कानूनी अधिकारी एडवोकेट आरती शर्मा ने दर्शकों को उनके अधिकारों और घरेलू हिंसा के बारे में शिकायत करने के तरीके के बारे में जागरूक किया। सीबीसी द्वारा कार्यक्रम स्थल पर बनाए गए और सभी का आकर्षण का केंद्र बने रहे इंडिया गेट के प्रतीकात्मक स्वरूप को जिला प्रशासन होशियारपुर को भेंट किया गया।

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग राज्य मंत्री सोम प्रकाश द्वारा 20 मार्च को उद्घाटन की गई चार दिवसीय प्रदर्शनी का आज सफलतापूर्वक समापन हो गया। जिला प्रशासन का समन्वय सराहनीय रहा। इन चार दिनों के दौरान कई महिलाओं और युवा लड़कियों की निःशुल्क स्तन कैंसर की जांच की गई और उन्हें सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए टीका लगाया गया।

सीआरपीएफ सोनीपत कैंप में किरोड़ीमल स्कूल का स्पोर्ट्स फेस्ट

• जालंधर ब्रीज.सोनीपत

किरोड़ीमल पब्लिक स्कूल द्वारा गुरुवार को सीआरपीएफ कैंप में खेल गतिविधि स्पोर्ट्स फेस्ट कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में नौनिहालों और उनके अभिभावकों ने हिस्सा लेकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। कार्यक्रम की शुरुआत छोटे बच्चों की बत्री रेस से हुई। इसके बाद लेमन स्पून रेस, सेक रेस स्कीपिंग आदि गतिविधियां कराई गईं। इन सभी प्रतियोगिता में विजयी बच्चों को ,कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महेंद्र कुमार जी (DIG) द्वारा पुरस्कार स्वरूप स्वर्ण, रजत व कांस्य पदक प्रदान किए गए और प्रतिभागी बच्चों को भी प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया है। इस अवसर पर बोलते हुए उप महानिरीक्षक महोदय जी ने खेलों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बच्चों को बताया कि आज विश्व में भारत और भारत में हरियाणा, और हरियाणा में भी सोनीपत जिले का जो खेलों में दबदबा है वह किसी और का नहीं इसीलिए बच्चों के पास अपने खेल के शौक को लाभदायक बनाने के लिए, अपने कैरियर में बदलने का सुनहरा अवसर है इस क्षेत्र में बच्चे काफी ऊंचाइयां प्राप्त कर सकते हैं। उप महानिरीक्षक महोदय ने विद्यालय के द्वारा कराई गई इस गतिविधि की , विद्यालय स्टाफ की और प्रिंसिपल मैम की काफी प्रशंसा की।

इस कार्यक्रम के अंत में स्कूल प्रिंसिपल मोनिका जैन ने मुख्य अतिथि व अन्य अतिथियों का आभार व्यक्त किया और सीआरपीएफ कैंप के अभिभावकों को यह आश्वासन दिया कि किरोड़ीमल पब्लिक स्कूल उनके बच्चों की शिक्षा के लिए हर बेहतर ,ठोस कदम उठाएगा और बच्चों के सुनहरे भविष्य को गढ़ने में एक महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगा।

इस अवसर पर कैंप के अन्य अधिकारी प्रमाल सिंह (कमांडेंट), संजीव कुमार (उपकमांडेंट), किरणजीत सहोता (सहायक कमांडेंट) भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री द्वारा लोगों को शहीद भगत सिंह के सपनों को साकार करने के लिए आगे आने का न्योता

स्वतंत्रता संग्राम के बारे बताने के लिए विरासती गली समेत खटकड़ कलां के समूचे विकास का किया ऐलान

• जालंधर ब्रीज.खटकड़ कलां

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने लोगों को न्योता दिया कि वह शहीद भगत सिंह के सपनों का समाज सृजित करने के लिए आगे आएं और राज्य सरकार इस मकसद को पूरी के लिए पूरा सहयोग और तालमेल करेगी। शहीद-ए-आज़म के पैतृक गाँव में उनको श्रद्धा के फूल भेंट करते हुये मुख्यमंत्री ने कहा कि यह दिन हम धरती माँ के सच्चे सपूत की तरफ से दिए महान बलिदान के बारे याद करवाता है। उन्होंने कहा कि शहीद भगत सिंह, शहीद राजगुरू और शहीद सुखदेव की शहादत हमें हमेशा बेइन्साफ़ी, ज़ुल्म और दमन के ख़िलाफ़ खड़े होने के लिए प्रेरित करती रहेगी। भगवंत मान ने कहा कि यह हम सभी का नैतिक फ़र्ज़ बनता है कि समाज में फैली सभी कुरीतियों के विरुद्ध हम जंग शुरू करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार इन महान शहीदों के सपनों को साकार करने के लिए कोई कसर बाकी नहीं छोड़ेगी। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार का यह फ़र्ज़ है कि वह राज्य की तरक्की और लोगों की ख़ुशहाली यकीनी बनाए। भगवंत मान ने कहा कि वह दिन दूर नहीं, जब राज्य सरकार की तरफ़ से की जा रही कोशिशों से पंजाब मुल्क भर में से अग्रणी राज्य बन कर उभरेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब सरकार शहीद भगत सिंह की तरफ से संजोए सपनों को पूरा करने और सांप्रदायिक सदभावना वाला समाज सृजित करने के लिए वचनबद्ध है। उन्होंने कहा कि आज़ादी के आंदोलन के इन नौजवान नायकों ने छोटी उम्र में ही अपने जीवन का बलिदान देकर देश को विदेशी साम्राज्यवाद की गुलामी से मुक्त करवाया। भगवंत मान ने कहा कि धरती माँ के इस महान सपूत की तरफ से दर्शाए मार्ग पर चलते हुये ख़ुशहाल समाज सृजित करने के लिए पंजाब सरकार अपनी पूरी ताकत लगाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने लोगों की ख़ुशहाली के लिए कई जनहितैषी और विकास आधारित स्कीमें शुरू की हैं। उन्होंने कहा कि इन सभी कदमों का एकमात्र उद्देश्य हमारे महान शहीदों की तरफ से संजोए सपनों वाला समाज बनाना है। भगवंत मान ने कहा कि जब तक इन सपनों को साकार नहीं कर लिया जाता, तब तक हमारी कोशिशें जारी रहेंगी।

नई नीति किसान हितैषी और राज्य की तरक्की के लिए लाभदायक होगी : कृषि मंत्री

31 मार्च तक आम लोगों को सुझाव भेजने की अपील

• जालंधर ब्रीज.चंडीगढ़

पंजाब के कृषि मंत्री कुलदीप सिंह धालीवाल ने आज यहाँ पंजाब भवन में राज्य की बन रही नयी कृषि नीति सम्बन्धी एक उच्च स्तरीय समीक्षा मीटिंग की। कृषि विभाग के उच्च अधिकारियों और माहिरों की टीम के साथ उन्होंने नयी कृषि नीति के सभी पहलूओं पर विचार-चर्चा की। मीटिंग में प्रसिद्ध कृषि विज्ञानी डा. गुरदेव सिंह खुश और डॉ. बी एस गिल ने ख़ास तौर पर शिरकत की। डॉ. खुश का चावलों की किस्मों विकसित करने और डा. गिल्ल का गेहूँ की किस्मों विकसित करने में बहुमूल्य अनुभव है और विश्व स्तर पर दोनों वैज्ञानिकों का विशेष नाम है।

बाद में पत्रकारों के साथ बात करते हुये धालीवाल ने कहा कि कृषि को लाभदायक बनाने के लिए, मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली राज्य सरकार नयी कृषि नीति पर बहुत गंभीरता से काम कर रही है। उन्होंने कहा कि आज़ादी के बाद किसी भी सरकार ने किसानों की भलाई ख़ास तौर पर कृषि को लाभदायक पेशा बनाने पर ध्यान नहीं दिया। उन्होंने कहा कि आज भगत सिंह और उनके साथियों के शहीदी दिवस पर वह प्रण करते हैं कि भगत सिंह के सपनों का पंजाब बनाने में कोई कसर बाकी नहीं छोड़ी जायेगी। उन्होंने राज्य को 'रंगला पंजाब' बनाने की वचनबद्धता दोहरायी।

कृषि मंत्री ने कहा कि राज्य में ऐसी व्यवस्था बनायी जायेगी कि हमारे बच्चों को बाहर जाने की ज़रूरत नहीं पड़ेगी। इस मौके पर उन्होंने आम लोगों को नयी कृषि नीति सम्बन्धी 31 मार्च तक सुझाव भेजने की अपील भी की। उन्होंने कहा कि कोई भी पंजाब निवासी वट्टसऐप नंबर 75080-18998 या फ़ोन नंबर 0172-2969340 या ईमेल farmercomm@punjabmail.gov.in पर अपने सुझाव भेज सकता है। इसके इलावा पंजाब राज्य किसान और कृषि श्रमिक आयोग, एयरपोर्ट रोड, मोहाली के पते पर चिट्ठी के द्वारा भी सुझाव भेजे जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार किसानों के साथ खड़ी है और राज्य की कृषि के लिए अच्छी, ठोस और सार्थक नीतियाँ लेकर आना उनकी ज़िम्मेदारी है। धालीवाल ने उम्मीद जताई कि पंजाब निवासियों को इस साल जून के अंत नयी कृषि नीति मिल सकती है। उन्होंने कहा कि नयी कृषि नीति पंजाब की भौगोलिक स्थिति, मिट्टी की सेहत, फसलों और पानी की उपलब्धता को आगे रख कर तैयार की जा रही है और इसमें लोगों के सुझावों को भी प्रमुखता दी जायेगी।

धालीवाल ने इस बात पर चिंता जतायी की कि पिछली सरकारों के ग़ैर जिम्मेदाराना रवैये और गलत नीतियों के कारण पंजाब का शुद्ध पानी, शुद्ध हवा और वातावरण और सेहतमंद उपजाऊ भूमि अब दूषित पानी, ज़हरीली हवा और ग़ैर-उपजाऊ भूमि में बदल रहा है। उन्होंने कहा कि इस दृश्य को अब साफ़ नीति और नीयत के साथ बदला जायेगा। उन्होंने कहा कि कृषि सिर्फ़ एक धंधा नहीं, यह जीवन के साथ जुड़ा हुआ मुद्दा है। कृषि मंत्री ने कृषि में आयी गिरावट को दूर करने की ज़रूरत पर ज़ोर देते हुये कहा कि राज्य सरकार कृषि को बचाने की दिशा में सबके सहयोग के साथ आगे बढ़ेगी। पंजाब की फसलों, पानी और मिट्टी और वातावरण को केंद्र में रख कर उन्होंने कहा कि राज्य सरकार कृषि माहिरों, कृषि वैज्ञानिकों और तजुर्बेकार लोगों की मदद के साथ कृषि क्षेत्र को मज़बूत करने का हर संभव यत्न कर रही है।

अमन मालड़ी गैंग के 7 गुर्गे काबू

• जिला जालंधर देहाती की क्राइम ब्रांच की टीम द्वारा नकोदर इलाके में डर दिखाकर फिरौती मांगने वाले अमन मालड़ी गैंग के 7 गुर्गों को 25 लाख रुपये समेत काबू किया।

2 नशा तस्कर गिरफ्तार

• जिला जालंधर देहाती के थाना आदमपुर की पुलिस द्वारा 2 नशा तस्करों को काबू किया है। इनसे 28 नशीले टीके, 230 नशीली गोलियां, 20 मोबाईल फोन व एक मोटरसाइकल बरामद किया है।

शहीद भगत सिंह, राजगुरू और सुखदेव द्वारा दिए गए बलिदान के देशवासी हमेशा ऋणी रहेंगे : जयवीर शेरगिल

• जालंधर ब्रीज.चंडीगढ़

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता द्वारा देश के महान सपूतों शहीद-ए-आजम भगत सिंह, राजगुरू और सुखदेव को उनके शहीदी दिवस के अवसर पर श्रद्धा के फूल भेंट किए गए। उन्होंने कहा कि हर किसी को शहीद भगत सिंह, राजगुरू व सुखदेव द्वारा दिए गए महान बलिदान को याद रखना चाहिए। तीनों ने मातृभूमि के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया, जो आने वाली पीढ़ियों को हमेशा जागरूक करता रहेगा। शेरगिल ने कहा कि हर देशवासी शहीद भगत सिंह, राजगुरू और सुखदेव द्वारा दिए गए महान बलिदान का हमेशा ऋणी रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि शहीद भगत सिंह के शहीदी दिवस से 'आप' को याद करना चाहिए कि उसे भी अपनी कार्यप्रणाली में शहीद भगत सिंह के विचारों को लागू करना चाहिए। उन्होंने कहा कि बीते साल सितंबर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महान स्वतंत्रता सेनानी को श्रद्धांजलि भेंट करते हुए, चंडीगढ़ एयरपोर्ट को शहीद भगत सिंह अंतराष्ट्रीय एयरपोर्ट का नाम दिया था। उन्होंने कहा कि शहीद भगत सिंह, राजगुरू और सुखदेव की जिंदगी हमारी आने वाली पीढ़ियों में राष्ट्रवाद और देशप्रेम की भावना को भरने हेतु हमेशा एक मार्गदर्शक का काम करेंगी।

लगातार तीन गोल्डन डक के बाद सूर्यकुमार यादव के स्पोर्ट में आए रोहित शर्मा

मुंबई. भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेली गई तीन वनडे मैचों की सीरीज़ में टीम इंडिया को 2-1 से हार झेलनी पड़ी। यह सीरीज़ भारतीय बल्लेबाज़ सूर्यकुमार यादव के लिए काफी खराब गुज़री। तीनों मैच की प्लेइंग इलेवन में शामिल होने वाले सूर्या पूरी सीरीज़ में महज़ 3 गेंद ही खेल सके। सूर्या तीनों मैच में लगातार गोल्डन डक का शिकार हुए। शुरुआती दो मैचों में ऑस्ट्रेलियाई तेज़ गेंदबाज़ मिचेल स्टार्क ने उन्हें पवेलियन की राह दिखाई और तीसरे मैच में एश्टन एगर ने बोल्ड कर चलता किया। इन सबके बाद भी भारतीय कप्तान रोहित शर्मा बल्लेबाज़ के सपोर्ट में दिखे। रोहित शर्मा ने मैच के बाद बात करते हुए कहा, 'उसने सीरीज़ में सिर्फ तीन गेंदें ही खेलीं। मुझे नहीं पता कि आप इसमें कितना देख सकते हैं। उसे तीन अच्छी गेंदें मिलीं।

फोटो-बीसीसीआई

आज मुझे नहीं लगता कि वह अच्छी गेंद थी। उसने बस गलत शॉट चुना। उन्हें शायद आगे आना चाहिए था। वह सबसे अच्छा जानता है।' भारतीय कप्तान ने इस बात का भी खुलासा किया कि आखिरी क्यों सूर्या को निचले क्रम में भेजा गया था। रोहित शर्मा ने कहा, 'वह स्पिन को इतनी अच्छी तरह से खेलता है, यही वजह थी कि हम उसे रोकना चाहते थे और उसे अंतिम 15 से 20 ओवरों की भूमिका देना चाहते थे। लेकिन यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण रहा कि वो सीरीज़ में सिर्फ तीन गेंदें ही खेल सका। यह किसी के भी साथ हो सकता है। क्षमता, गुणवत्ता हमेशा वहां है। वो अभी उस दौर से गुजर रहा है।'

गौरतलब है कि टीम इंडिया को चेन्नई में खेले गए तीसरे मैच में 21 रनों से शिकस्त झेलनी पड़ी। पहले बल्लेबाज़ी करते हुए ऑस्ट्रेलिया 49 ओवर में 269 रनों पर ऑलआउट हो गई। रनों का पीछा करने उतरी टीम इंडिया 49.1 ओवर में महज़ 248 रनों पर ही सिमट गई। भारत की ओर से विराट कोहली ने सर्वाधिक 54 रनों की पारी खेली।

24 पेटी शराब समेत 2 काबू

• सीआईए स्टाफ जालंधर की टीम ने दो दोषियों को 24 पेटियां शराब समेत ऊना से गिरफ्तार किया है। दोनों की पहचान शिवम उर्फ बच्चा वासी घास मंडी चुंगी न्यू शिवपुरी जालंधर व सुशांत निवासी मोहल्ला गोबिंदगढ़ जालंधर के तौर पर हुई है।

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at SARANGLE PRINTERS, BASTI GUZAN JALANDHAR (PUNJAB) and Published from ATUL SHARMA, NN453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)
Editor : ATUL SHARMA*
*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in Part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.